

खबर संक्षेप

आवास प्लस सर्वे में फर्जीवाड़े पर गिरी गाज

शहडोल। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत गरीबों के हक पर डाका डालने वाले लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों पर जिला प्रशासन ने सख्त शिकंजा कर दिया है। आवास प्लस 2024 सर्वेक्षण में गंभीर अनियमितता और घोर लापरवाही बरतने पर मुख्य कार्यालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने कड़ा रुख अपनाते हुए ग्राम रोजगार सहायक और विकासखंड प्रबंधक दोनों का सितंबर 2026 माह का एक-एक महीने का मानदेय काटने का आदेश जारी किया है। साथ ही भविष्य में ऐसी करतूत दोबारा दोहराने पर सीधे सचिवा सेवा समाप्त करने की अंतिम चेतावनी भी दे दी है।

अपात्रों को बना दिया गरीबों का मसीहा- पूरा मामला जनपद पंचायत गोहपारू के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चुहिराी का है। वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2028-29 के लिए यहां सर्वेयर, चेकर और वेरीफायर के जरिए आवास प्लस सर्वे की प्रक्रिया चलाई जा रही थी। ग्राम पंचायत बरेली के ग्राम रोजगार सहायक राजलाल सिंह को चुहिराी में चेकर की जिम्मेदारी दी गई थी। इन्होंने 213 परिवारों के हाउसिंग डिटेल्, फोटो और साइट का सत्यापन किया, लेकिन आख बंद करके 8 अपात्र परिवारों को पात्रों की सूची में ठोक दिया। गोहपारू के विकासखंड प्रबंधक पदमेश तिवारी की वेरीफायर बनाया गया था। इनके जिम्मे 65 विवादित मामलों का पुनःसत्यापन था। इन्होंने भी आंखें मूंदकर दस्तखत किए, जिसके नतीजे में 4 अपात्र परिवार गरीबों की सूची में जगह बना गए।

जांच में खुली पोल- योजना में मरी इस बंदखॉट और धांधली के खिलाफ 10 जुलाई 2026 को अमित शर्मा सहित अन्य ग्रामीणों ने सीधे मोर्चा खोलते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जनपद पंचायत गोहपारू के सीईओ से जांच कराई गई। 8 सितंबर 2026 को जिला पंचायत को सौंपी गई जांच रिपोर्ट में ग्रामीणों के आरोप शत-प्रतिशत सही पाए गए। रिपोर्ट में साफ हुआ कि जिम्मेदारों की मिलीभगत और घोर लापरवाही के कारण ही 8 अपात्रों का चयन पात्रों की सूची में हो गया था। लापरवाही बर्दाश्त नहीं- जांच रिपोर्ट के आधार पर सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने तत्परि कार्रवाई करते हुए चेकर राजलाल सिंह और वेरीफायर पदमेश तिवारी दोनों के सितंबर माह के वेतन/ मानदेय में 100 फीसदी कटौती के आदेश दिए हैं। इस सख्त कार्रवाई के बाद से महकमे में हडकंप मच गया है।

मेरे सपनों का भारत’ चित्रकला प्रतियोगिता

शहडोल। पंडित शंभुनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल में एनसीसी के राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ‘सेवा संकल्प अभियान 2026’ के अंतर्गत तृतीय गतिविधि ‘सेवा चित्र’ का आयोजन किया गया। गतिविधि की थीम ‘मेरे सपनों का भारत’ रखी गई, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं एनसीसी तथा एनएसएस स्टूडेंट्सको ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने प्रतियोगिता में प्रदर्शित चित्रों का अवलोकन किया।

हाई रिस्क प्रसूताओं की बनेगी वर्थ वेटिंग लिस्ट, लापरवाही पर 2 अफसरों को नोटिस

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर पर कलेक्टर का कड़ा रुख

जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक में कलेक्टर के तल्ख तेवर हर माह की 9 और 25 तारीख को जांच-टीकाकरण अनिवार्य, एसएनसीयू मौतों का होगा ऑडिट

शहडोल। जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर पर अंकुश लगाने और स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत सुधारने के लिए जिला प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की उच्चस्तरीय बैठक में कलेक्टर पाथं जायसवाल ने स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि प्रसूताओं और नवजात शिशुओं की सेहत में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान ऑनलाइन पंजीयन में हीलाहवाली सामने आने पर कलेक्टर ने बुढ़ार बीएमओ और अर्बन शहडोल की परियोजना अधिकारी को कारण बताओ नोटिस थमाने के कड़े निर्देश जारी किए।

प्रथम तिमाही में पंजीयन और 4 एएनसी जांचें अनिवार्य

कलेक्टर ने सख्त हिदायत दी कि



पूर्व विधायक जयसिंह मरावी के पत्र को दिखाया अंगूठा सुबह 7 बजे से रात 1 बजे तक सजती है मयखाने की महफिल

जयसिंहनगर/शहडोल। नियम, कानून, सामाजिक मर्यादा और जनप्रतिनिधियों के पत्रों को रद्दी की टोकरी में फेंकने की कला यदि किसी को सीखनी हो, तो वह शहडोल का जिला आबकारी विभाग और शराब ठेकेदार प्रिंस राय से सीखे, जयसिंहनगर बस स्टैंड पर शिव मंदिर और कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मुहाने पर सजी अवैध मदिरा की दुकान अफसरशाही के अंधेपन और शराब ठेकेदार के रसूख खुलेआम बयां कर रही है। आबकारी नीति की धज्जियां उड़ाते हुए मंदिर से महज 50 मीटर की दूरी पर

कई महीनों से अटका वेतन, पीएफ ईएसआईसी और बोनस से बेदखल

शहडोल के श्रम कार्यालय में गूंजा कर्मचारियों का आक्रोश राज्य आउटसोर्स कर्मचारी संघ ने श्रम मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

शहडोल। मध्य प्रदेश के विभिन्न शासकीय विभागों, अस्पतालों, विद्यालयों और विभाग-मंडलों की व्यवस्था संभालने वाले आउटसोर्स कर्मचारियों की स्थिति बंद से बदतर होती जा रही है। ठेका प्रथा के जाल में फंसे इन कर्मचारियों से दिन-रात काम तो लिया जा रहा है, लेकिन जब उनके वाजिब हक, न्यूनतम वेतन और समय पर भुगतान की बात आती है, तो संबंधित विभाग और ठेका एजेंसियां मौन धारण कर लेती हैं। इसी शोषण और मनमानी के खिलाफ मध्य प्रदेश राज्य आउटसोर्स कर्मचारी संघ ने मोर्चा खोल दिया है। संघ के पदाधिकारियों ने 22 सितंबर 2026 को श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के नाम शहडोल के सहायक श्रमायुक्त को ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों की गंभीर समस्याओं से अवगत करवाया। संघ द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में जिले के आउटसोर्स कर्मचारियों की पीड़ा की लंबी फेहरिस्त उजागर की गई है। कर्मचारियों का सबसे बड़ा आरोप है कि कई-कई महीनों तक उनका वेतन अटका कर रखा जाता है, जिससे उनके परिवारों के सामने भुखमरी की नौबत आ जाती है। इसके अलावा, कर्मचारियों से वास्तविक रूप से कुशल या उच्च कुशल श्रेणी का कार्य लिया जा रहा



है, लेकिन अभिलेखों में उन्हें अनुकूल दर्शाकर कम वेतन दिया जा रहा है। वेतन में अनधिकृत कटौतियां आम बात हो गई हैं। हद तो यह है कि नियम होने के बावजूद कर्मचारियों को न तो नियुक्ति-पत्र जारी किए जाते हैं और न ही हर महीने दी जाने वाली वेतन पर्ची उपलब्ध कराई जाती है। कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा भी बेहद गंभीर है। ज्ञापन में शिकायत की गई है कि ठेका एजेंसियां द्वारा कर्मचारियों के ईपीएफ और ईएसआईसी के खातों में समय पर अंशदान जमा नहीं किया जाता। श्रम कानूनों के तहत मिलने वाले वैधानिक बोनस से भी कर्मचारियों को वंचित रखा जा रहा है। वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों को बिना किसी नोटिस या वैधानिक प्रक्रिया के नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। कर्मचारियों को उनके वास्तविक कार्य और कौशल श्रेणी के अनुसार निर्धारित न्यूनतम वेतन का भुगतान कराया जाए। श्रम कानूनों के प्रावधानों के तहत आगामी माह की 7 तारीख तक पूर्ण वेतन का भुगतान अनिवार्य रूप से सुनिश्चित हो। हर कर्मचारी को अनिवार्य रूप से नियुक्ति-पत्र और प्रतिमाह वेतन पर्ची दी जाए। कर्मचारियों के खातों से हो रही अनधिकृत कटौतियों की जांच हो।

शराब दुकान का बेखौफ संचालन किया जा रहा है। हद तो यह है कि सुबह 7 बजे, जब बच्चे स्कूल और श्रद्धालु मंदिर जाने की तैयारी करते हैं, तब से ही इस दुकान के शटर उठाकर शराब की बिक्री शुरू कर दी जाती है और देर रात 1 बजे तक मयखाना सजा रहता है।

पूर्व विधायक का पत्र बना रद्दी का कागज

जयसिंहनगर के पूर्व विधायक जयसिंह मरावी ने 23 जून 2023 को जनहित और महिलाओं की सुरक्षा को देखते हुए जिला आबकारी अधिकारी शहडोल को बाकायदा लिखित पत्र सौंपा था। पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया था कि बस स्टैंड जयसिंहनगर स्थित शराब दुकान सार्वजनिक स्थल, भगवान शिव के मंदिर और कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल (संदीपनी स्कूल) के अत्यंत समीप स्थित है, जिससे महिलाओं व छात्राओं का निकलना दूभर हो गया है, अतः इसे अतिशीघ्र

हटया जाए। पूर्व विधायक के इस पत्र और स्थानीय लोगों के भारी विरोध के बाद दिखावे के लिए दुकान को कुछ दिनों के लिए हटया तो गया, लेकिन आबकारी विभाग और ठेकेदार की सांठ-गांठ इतनी गहरी निकली कि जनता को बेवकूफ बनाकर वही मदिरालय फिर उसी जगह ठोक दिया गया।

ठेकेदार का काला साम्राज्य

शराब ठेकेदार प्रिंस राय की मनमर्जी यहीं खत्म नहीं होती। आरोप है कि जयसिंहनगर बस स्टैंड स्थित अंग्रेजी शराब दुकान से रोजाना देर रात वाहनों में दारू भरकर गांव-गांव भेजी जा रही है। अवैध पैकारी के चलते आस-पास के गांवों में चोरी, मारपीट और सामाजिक अशांति का माहौल बन चुका है। बस स्टैंड और आस-पास के सुलभ शौचालय तक जाने वाली छात्राओं और महिलाओं को शराबियों के जमावड़े और छींटकशी का सामना करना पड़ रहा है। नियमानुसार दुकान

हेड कांस्टेबल पति की घौंस पर शिक्षिका पत्नी का सरकारी जमीन पर डाका

तहसीलदार के स्टे ऑर्डर की उड़ाई धज्जियां

ब्यौहारी के वार्ड-09 न्यू बरौंधा का मामला

शहडोल। खाकी का खौफ जब कानून की धज्जियां उड़ाने लगे और समाज को सही राह दिखाने वाली शिक्षिका भी भू-माफिया का चोला ओढ़ ले, तो समझ लीजिए कि प्रशासनिक व्यवस्था वेंटिलेटर पर है, जिले के ब्यौहारी स्थित नगरीय क्षेत्र से एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां कानून का पाठ पढ़ाने वाले ही खुलेआम सरकारी जमीन पर डाका डाल रहे हैं। जैतपुर थाने में पदस्थ हेड कांस्टेबल रवि वर्मा की शह पर उनकी शिक्षिका पत्नी अंजु वर्मा द्वारा शासकीय भूमि पर बेखौफ अवैध कब्जा किया जा रहा है। हद तो यह है कि तहसील न्यायालय का स्थगन आदेश भी खाकी के रौब के आगे पूरी तरह बेअसर साबित हो रहा है।

शासकीय आराजी पर गाड़ा जा रहा झंडा

पूरा मामला ब्यौहारी के वार्ड क्रमांक-09 न्यू बरौंधा स्थित शासकीय भूमि का है। यहां आराजी खसरा नंबर 726/1 कुल रकबा 5.388 हेक्टेयर की बेशकीमती जमीन स्थित है। इस प्राइम लोकेशन की लगभग 70&150 फीट सरकारी जमीन पर कब्जे की नीयत से रातों-रात ईट-सीमेंट का ढांचा खड़ा किया जा रहा है। स्थानीय लोगों की मानें तो इस जमीन की बाजारू कीमत करोड़ों में है, जिस पर हेड कांस्टेबल दंपति



अपनी गिद्ध नजरें जमाए बैठे हैं।

ज्ञान बांटने वाली शिक्षिका की मैदान में दबंगई

अंजु वर्मा, जो मझौली जनपद के शासकीय विद्यालय में शिक्षिका के पद पर तैनात हैं, अपने पदीय दायित्वों और मर्यादा को ताक पर रखकर खुद मौके पर खड़े होकर बाउंड्रीवॉल बनवा रही हैं। जब मोहल्ले के लोगों ने हिम्मत जुटाकर तहसीलदार के स्टे ऑर्डर का हवाला दिया, तो मैडम ने पति की वर्दी और स्टार की घौंस दिखाकर सबको चुप करा दिया।

तहसीलदार के आदेश को टेंगा, राजस्व अमला पस्त

मामले की शिकायत पर तहसीलदार ब्यौहारी ने गंभीरता दिखाते हुए निर्माण कार्य तुरंत रोकने हेतु स्थगन आदेश जारी किया था, लेकिन अफसरशाही का आलम यह है कि आदेश की कांपी को रद्दी का टुकड़ा समझकर निर्माण कार्य धड़ल्ले से जारी रखा गया है। यह प्रशासनिक लाचारी साफ बयां कर रही है कि ब्यौहारी में तहसीलदार के स्टे ऑर्डर से ज़्यादा वजनदार पुलिसिया वर्दी का रौब है। क्षेत्रवासियों ने कलेक्टर और एसपी से गुहार

लागई है कि तत्काल इस अवैध निर्माण को मलबे में तब्दील किया जाए और पुलिसिया रसूख का बेजा इस्तेमाल करने वाले हेड कांस्टेबल व उनकी शिक्षिका पत्नी पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

इनका कहना है...

मैं स्वयं मौके पर जाकर देखा हूं। यदि स्थगन होने के बाद भी सरकारी जमीन में कब्जा किया जा रहा है तो संबंधित व्यक्ति कोई भी हो सख्त कार्रवाई होगी।

रलेक्सी नागपुरे
तहसीलदार, ब्यौहारी

कमिश्नर की जनसुनवाई में गरमाया अफसरशाही का रवैया

13 महीने से मानपुर के रोजगार

सहायकों का वेतन अटका

सख्ता में 2 करोड़ की सरकारी जमीन पर भू-माफिया का कब्जा

शहडोल। सभाग मुख्यालय स्थित कमिश्नर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अफसरशाही और मैदानी अमले की लापरवाही के कई सनसनीखेज मामले सामने आए। दूर-दराज के जिलों से पहुंचे फरियादियों की ब्यथा सुनते हुए सभागायुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता ने कड़ा रुख अपनाया और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। जनसुनवाई में मानपुर नगर परिषद के कमंचारियों के बकाया वेतन, उमरिया में करोड़ों की बेनामी संपत्ति के अवैध कब्जे और ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा न कराने जैसे गंभीर मुद्दे हुए रहे।

13 महीने से वेतन को तरस रहे रोजगार सहायक- जनसुनवाई में उमरिया जिले के नगर परिषद मानपुर में पदस्थ रोजगार सहायक रामकुमार केवट, त्रिपुरी नाथ पटेल और मनोज कुमार त्रिपाठी ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि नवगठित नगर परिषद में तैनाती के बाद से ही उनके साथ सौतेला व्यवहार हो रहा है। कर्मचारियों ने रोष जताते हुए कहा कि उन्हें मई 2026 से (विगत 5 महीनों से) वेतन का एक धेला तक नहीं दिया गया है। कुल 13 महीनों के कार्यकाल में बजट का रोना रोककर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। कई बड़े तीज-त्यौहार निकल गए, लेकिन वेतन न मिलने से उनके परिवारों के सामने भुखमरी की नौबत आ गई है। शिकायत को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए कमिश्नर ने

कलेक्टर उमरिया और नगरीय प्रशासन विभाग के वरिष्ठ अफसरों से सीधे फोन पर बात की और कर्मचारियों का रुका हुआ वेतन तत्काल खाते में जारी करने की सख्त हिदायत दी।

पटवारी और भू-माफिया की सांठगांठ- उमरिया जिले के ग्राम सख्ता तहसील नौरोजाबाद से पहुंचे ग्रामीण शिवशंकर मिश्रा ने राजस्व विभाग की पोल खोलकर रख दी। उन्होंने कमिश्नर को सबूत सौंपते हुए बताया कि हल्के में कड़ा रुख अपनाया और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। जनसुनवाई में मानपुर नगर परिषद के कमंचारियों के बकाया वेतन, उमरिया में करोड़ों की बेनामी संपत्ति के अवैध कब्जे और ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा न कराने जैसे गंभीर मुद्दे हुए रहे।

सचिव और उपसर्पंच की मनमर्जी पर उठे सवाल- शहडोल जिले के ग्राम पंचायत लेदरा (डोंगरी टोला) से आए सूर्यदीन सिंह परस्ते ने शिकायत की कि राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त के पावन अवसर पर भी ग्राम पंचायत में अनिवार्य ग्राम सभा का आयोजन नहीं किया गया। ग्रामीणों द्वारा बार-बार आग्रह करने के बावजूद सचिव और उपसर्पंच अपनी मनमर्जी पर अड़े रहे। ग्राम सभा न होने से पंचायत के विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं। इस मामले में कमिश्नर ने सीईओ जिला पंचायत शहडोल को जांच कर लापरवाह सचिव पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।



ख़बर संक्षेप

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी 118 आवेदकों की समस्याएं



उमरिया। साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं सीईओ जिला पंचायत अमर सिंह सहित अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ने 118 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा आवेदकों के निराकरण के लिए आवेदन संबंधित विभाग की ओर प्रेषित कर विभागीय अधिकारियों को समुचित कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में विजय सिंह राठौर ने खरवी मीसम में अत्यधिक वर्षा के कारण खोखलीन फसल को क्षति का सर्वेक्षण कराकर उचित राहत प्रदान करने, धनूज काजी चंदवार ने पीएच आवास योजना का लाभ दिलाने, खेमराज सिंह बिरसिंहपुर पाली ने प्रसुति सहायता योजना का लाभ दिलाने, गेवा रैदास धीरई ने सड़क बनाए जाने, सिया बाई यादव बिलासपुर ने नाम पुनरू खसरे में दर्ज कराने, मीरा बाई विदेदी अमरपुर ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने, संतोष कुमार सुभाषगंज ने सेवाकला के दौरान काटी गई पीएफ की राशि का भुगतान कराने, लालनान सेन बजहान ने सीमांकन, नक्शा तस्मीम कराने, धनू नू बैगा सहरोई ने वृद्धावस्था पेंशन दिलाने तथा गीता मिश्रा बडेरौ ने गरीबी रखा में नाम जोड़ने संबंधी आवेदन दिये। इसके साथ ही अन्य आवेदकों व्दारा पेंशन भुगतान , राजस्व संबंधी कार्यों एवं खाद्यान्न वितरण से संबंधित आवेदन कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किए । कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को प्रेषित कर समुचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सेवा संकल्प यात्रा में यात्रियों के साथ स्थानीय जनों ने किया श्रमदान



उमरिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत बनारस से बडनगर के लिए रवाना हुई सेवा संकल्प यात्रा ने उमरिया जिले के ताला में गत रात्रि विश्राम किया । यात्रा के ताला पहुंचने पर अधिकारियों एवं स्थानीय जनों ने आत्मीय स्वागत किया। सेवा संकल्प यात्रा के यात्रियों ने 22 सितंबर को ग्राम पंचायत ताला में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत सामूहिक श्रमदान एवं स्वच्छता कार्यक्रम में सहभागिता की । यात्रा दल के सदस्यों ने बाजार क्षेत्र में प्रतिदिन साफ-सफाई का कार्य करने वाले स्वच्छता मित्र एवं दीदियों के साथ श्रमदान किया तथा स्वच्छता मित्र एवं दीदीयों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। श्रमदान के पश्चात यात्रा दल के मुखिया द्वारा स्वच्छता मित्र दीदियों के प्रति सम्मान एवं चम्पल पहनाकर सम्मानित किया गया। साथ ही उन्हें साड़ी एवं शीफल भेंट कर स्वच्छता के क्षेत्र में उनके निरंतर योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम के दौरान वक्तओं ने कहा कि स्वच्छ एवं सुंदर गांव बनाने में सफाई मित्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे प्रतिदिन नियमित रूप से साफ-सफाई कर गांव एवं बाजार को स्वच्छ रखने में अपना योगदान दे रहे हैं। उनके श्रम और सेवा के प्रति सम्मान व्यक्त कर समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छता मित्र व दीदीयां प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन के संकल्प को पूरा करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम में आसुतोष अगवाल, सुभित गौतम, सरपंच एवं सचिव, सहित जिले के जनप्रतिनिधि विकासखंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

वन विभाग की दादागीरी: किसान का ट्रैक्टर जप्त

राजसात का खौफ दिखाकर आजीविका पर चलाया चाबुक

मानपुर। बांधवगढ़ टाइनगर रिजर्व के अंतर्गत आने वाले मानपुर वन परिक्षेत्र में वन विभाग के अफसरों की तानाशाही और अंधेरगढ़ी का एक ऐसा जालरा सामने आया है, जिसने कानून के रखवालों की मंश पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। राजस्व की भूमि पर खेत जत रहे एक गरीब किसान का ट्रैक्टर उठाकर वन विभाग की टीम ने अकेले दफ्तर में कैद कर लिया और जब पीड़ित इंसफा मांगने पहुंचा, तो उसे राजसात का झुनझुना धमकाकर भगा दिया गया। वया अब राजस्व जमीन पर हल चलाया भी वन अपरधर की श्रेणी में आता है या फिर बांधवगढ़ के साहेबों को अपनी वर्दी का रौब जमाने के लिए किसी की रोजी-रोटी छीनने का शौक चढ़ा है?

दफ्तर में बना दिया बंधक

घटना मानपुर तहसील के वाम नरवार की है, पीड़ित अनिल जायसवाल पिता मोतीलाल जायसवाल अपने पारट्रैक ट्रैक्टर (434-39 एचपी) से खेती-किसानी कर परिवार का पेट पालता है। 22 जुलाई 2026 की सुबह करीब 8 बजे गांव के ही विश्राम बैगा ने अपने खेत की जुलाई के लिए अनिल को फोन कर बुलाया। विश्राम के मकान और कुएं से सटे खेत में सुबह 9 बजे जैसे ही ट्रैक्टर ने जुलाई शुरू की, वैसे ही मालपुर रेंजर अंकित सोनी के नेतृत्व में वन अमला मिड्डू की

श्री वामन भगवान विमान यात्रा श्री राम जानकी मंदिर से आज निकलेगी मत्स्य शोभायात्रा

बुढ़ार। बुधवार 23 सितंबर को श्री राम जानकी मंदिर से बाजे गाजे के साथ नगर में वामन भगवान विमान यात्रा नगर भ्रमण पर निकलेगी। मंदिर के महंत अर्जुन दास महााज ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 23 सितंबर दिन बुधवार को श्री वामन भगवान की विमान शोभायात्रा श्री राम जानकी मंदिर बुढ़ार से प्रस्थान करेगी, जो नगर के रेलवे मार्केट,जैन मंदिर,



लखेरन टोला, एफसीआई (FCI) गोदाम से वापस जैन मंदिर, होते मेन रोड होते हुए, बनियान टोला (सुभद्रा सदन) तथा सोनारन टोला में सुधीर गुप्ता के निवास स्थान पहुंचेगी, जहाँ भगवान

विश्राम हेतु 2 दिवस ठहरेंगे। इसके पश्चात, 25 सितंबर शुक्रवार को शाम 4 बजे वापस सोनारन टोला शारदा मंदिर मेन रोड़ से पुनः रेलवे मार्केट होते हुए विमान यात्रा श्री राम जानकी मंदिर बुढ़ार वापस पहुंचेगा। मंदिर के महंत अर्जुन दास ने नगर बुढ़ार एवं आसपास के सभी गाँवों के भक्तों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर धर्म लाभ उठाएं।

गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों से गुंजायमान हुआ टीटी नगर

मवितभाव से स्थापित हुए गजानन

बुढ़ार। नगर में गणेश चतुर्थी का पावन पर्व अत्यंत धार्मिक आस्था, श्रद्धा और अपार उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही गणपति बप्पा के जयकारों से पूरा नगर भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ है।उत्सव के तहत नगर के टीटी नगर स्थित जोगी निवास पर भव्य गणेश प्रतिमा स्थापित की गई है। इसके साथ ही नगर के विभिन्न प्रमुख चौराहों, पंडालों और श्रद्धालुओं के घरों में विघ्नहर्ता



भगवान श्री गणेश की आकर्षक प्रतिमाएं स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं अनुष्ठान किए जा रहे हैं।गणेश उत्सव को लेकर विशेष रूप से श्रद्धालुओं और बच्चों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। तड़के से ही मंदिरों और पंडालों में श्रद्धालुओं का ताता लगा हुआ है, जहाँ लोग भगवान गणेश की वंदना, विशेष आरती और पूजन में शामिल होकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप योजना से छात्रों को लाभान्वित कराने जागरूकता सत्र का आयोजन था. नेहरू महाविद्यालय में किया गया



बुढ़ार। प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस शासकीय नेहरू महाविद्यालय बुढ़ार में रिलायंस सी.बी.एम.सी.एस.आर. टीम द्वारा महाविद्यालयीन छात्रों को रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप योजना 2026 के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के लगभग 150 छात्रों ने आयोजित स्कॉलरशिप योजना कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता निभाई।कार्यक्रम अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अनिल उपाध्याय, डॉ आर.एस. नाथित डॉ नागमणि मानिकपुरी सहित अनेक प्राध्यापकों की गरिमाय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का आयोजन सी.एस.आर. हेड राजीव श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में डॉ. समीम खान एवं अभिलाष तिवारी द्वारा आयोजित किया गया। स्कालरशिप सत्र के अवसर पर डॉ. समीम

प्रश्नों का भी सत्र अवसर पर समाधान किया गया।रिलायंस फाउंडेशन स्कॉलरशिप योजना के अंतर्गत देशभर के 5,000 स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को उनकी उच्च शिक्षा में सहयोग के लिए 2 लाख तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। रिलायंस सी.बी.एम. – सी.एस.आर. टीम का उद्देश्य परियोजना क्षेत्र के अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक इस योजना की जानकारी पहुंचाना रहा है, ताकि पात्र विद्यार्थी समय पर आवेदन कर सकें और इस अवसर का लाभ उठाने के लिए छात्रवृत्ति चयन प्रक्रिया में भाग ले सकें। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अजय पांडेय, दिलीप नामदेव एवं प्रदीप गुप्ता का सहयोग सराहनीय रहा।

सुंदरम कंप्यूटर इंस्टीट्यूट में ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित, विद्यार्थियों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

स्वच्छता ही सेवा अभियान में विद्यार्थियों ने दिया स्वच्छता का संदेश

उमरिया। स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देने और विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से स्वच्छता परखवाड़ा अभियान के अंतर्गत सुंदरम कंप्यूटर इंस्टीट्यूट, उमरिया मे “स्वच्छता ही सेवा” के तहत ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर राखी सहाय एवं जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह के मार्गदर्शन में युवा टीम उमरिया मध्यप्रदेश द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। ड्राइंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने चित्रों के माध्यम से स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त वातावरण की कल्पना को उकेरा, वहीं भाषण प्रतियोगिता में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक के दुष्प्रभाव तथा व्यक्तिगत एवं सामाजिक जिम्मेदारी



जैसे विषयों पर प्रभावी विचार रखे।

स्वच्छता की शुरुआत स्वयं से हो: तिवारी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा टीम उमरिया के अध्यक्ष हिमांशु तिवारी ने कहा कि स्वच्छता किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। “स्वच्छता की शुरुआत स्वयं से होती है और इसका प्रभाव पूरे समाज तक पहुंचता है।” उन्होंने विद्यार्थियों से अपने घर, संस्थान, सड़क, सार्वजनिक स्थल एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के साथ दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि युवा एवं विद्यार्थी समाज में सकारात्मक

परिवर्तन के सबसे प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। यदि विद्यार्थी आज स्वच्छता को अपनी आदत बना लें, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान किया जा सकता है।

विद्यार्थियों ने भाषण और चित्रों से रखे विचार

भाषण प्रतियोगिता में सुनेना यादव, दिव्या रजक, अंकित सिंह एवं ईश्वरदीन बैगा ने सहभागिता करते हुए स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार प्रस्तुत किए। ड्राइंग प्रतियोगिता में रूपा प्रजापति, नैदिनी बैगा, राखी चौधरी, पूजा बैगा, अंजिनी सिंह एवं संध्या सिंह ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए स्वच्छता से जुड़े संदेशों

को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर दिया स्वच्छता का संदेश

सुंदरम कंप्यूटर इंस्टीट्यूट उमरिया के संचालक दिलीप शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के बीच इस तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित करने से उनमें रचनात्मकता के साथ सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रति जागरूक युवा ही समाज में स्थायी बदलाव ला सकते हैं।कार्यक्रम में शिक्षक शर्मा शर्मा एवं कुलदीप तिवारी सहित युवा टीम उमरिया से कंचन यादव, लवली बरमन, राहुल सिंह एवं अभिनव द्विवेदी की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को “स्वच्छ उमरिया, स्वस्थ उमरिया और सुंदर उमरिया” का संदेश देते हुए स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखकर इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजन में संस्थान के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उमरिया मुख्यालय पहुंचने पर जन संकल्प यात्रा का किया गया आत्मीय स्वागत

उमरिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर से वाराणसी से रवाना होकर बडनगर जाने वाली जन संकल्प यात्रा का उमरिया पहुंचने पर आत्मीय स्वागत किया गया। यात्रा का घंघरी तिराहा, गांधी चौक, जय स्तंभ चौक में गाजे बाजे के साथ तिलक लगाकर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। यात्रा दल के सदस्यों ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर मरीजों को फल का वितरण किया । उन्होंने उपचाररत मरीजों से संवाद करते हुए प्रधानमंत्री जी व्दारा प्रारंभ किए गए आयुष्मान भारत योजना के संबंध में जानकारी ली तथा इसका लाभ लेने की अपेक्षा की । उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रुपये तक के निशुल्क इलाज की सुविधा है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी मुक्त भारत बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर यात्रा दल के सदस्यों ने रक्तदान भी किया । जिला चिकित्सालय में क्षय रोग एवं सिकल सेल के उपचार से स्वस्थ हुए मरीजों ने प्रधानमंत्री जी को हृदय से धन्यवाद देते हुए उनके सुदीर्घ जीवन की कामना की तथा कहा कि समुचित चिकित्सा उपचार से वह अब स्वस्थ हो चुके हैं। जन संकल्प यात्रा उमरिया जिला मुख्यालय स्थित गौ संस्थान पहुंची जहां यात्रा दल के सदस्यों ने गौ वंश को गौ गायस खिलाया। उल्लेखनीय है कि ताला में रात्रि विश्राम करने के उपरांत यात्रा पारसी होते हुए बरबसपुर पहुंची थी। बरबसपुर में यात्रा दल ने गाम चौपाल लगाई । इस अवसर पर बताया गया कि प्रधानमंत्री जी के



ग्राम पंचायत जोरा में धूमधाम से मनाया जा रहा गणेश उत्सव, 22 को विशाल भंडारा और 23 को होगा विसर्जन

शहडोल। जिले के जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत जोरा में गणेश उत्सव बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। वार्ड नंबर 3 में स्थापित श्री गणेश जी की पूजा-अर्चना पुजारी सज्जन शर्मा द्वारा विधि-विधान और समय-समय पर संपन्न कराई जा रही है। वार्ड क्रमांक 3 के समस्त मोहल्ला वासियों के विशेष सहयोग से प्रतिदिन नाच-गान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ उत्सव विशेष रूप से मनाया जा रहा है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में सुरेंद्र तिवारी, दिनेश यादव, विनोद यादव,

रामपाल बैस, रामकिशोर बैस, बिहारी यादव, स्याम यादव, सत्येंद्र बैस, दयाराम बैस, सज्जन शर्मा, बैजनाथ बैस, नीरज बैस और दयाराम भाई सहित सभी कार्यकर्ता व गणेश भक्त रात-दिन अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ग्राम पंचायत जोरा के कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं द्वारा 22 सितंबर को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं, 23 सितंबर को सभी सहयोगियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में श्री गणेश जी की प्रतिमा का ससम्मान एवं धूमधाम से विसर्जन किया जाएगा।

अनियंत्रित पेड़ गिरने से मजदूर की मौके पर ही मौत, सुरक्षा मानकों पर उठे सवाल



पहुँचा। थाना प्रभारी रजनीश तिवारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मौके का पंचनामा तैयार कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की आगे की कार्रवाई जारी है।

सुरक्षा व्यवस्था पर खड़े हुए गंभीर सवाल

इस हादसे के बाद वन क्षेत्र में कराए जा रहे कार्यों और मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं:सुरक्षा उपकरणों का अभाव: क्या जोखिम भरे कार्य के

दौरान मजदूरों को हेलमेट, सेफ्टी शूज और अन्य अनिवार्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए थे?तकनीकी आकलन की कमी: क्या पेड़ कटाई शुरू करने से पहले पेड़ के गिरने की दिशा और आसपास के खतरों का सही आकलन किया गया था?प्रोटोकॉल का उल्लंघन: क्या मौके पर तय सुरक्षा मानकों और प्रोटोकॉल का सही तरीके से पालन हो रहा था? पेड़ कटाई जैसे अत्यधिक जोखिम भरे काम में सुरक्षा मानकों का पालन करना बेहद अनिवार्य होता है। फिलहाल एक मजदूर की अकाल मौत ने ठेकेदारी व्यवस्था और कार्यस्थल पर सुरक्षा इंतजामों की पोल खोलकर रख दी है। स्थानीय लोगों और परिजनों की मांग है कि हादसे की निष्पक्ष जाँच की जाए और लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई हो।

खेल हमारे स्वस्थ जीवन का आधार: प्राचार्य



शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित

बिरसिंहपुर पाली। मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर अनुसार शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता 2026-27 (महिला एवं पुरुष) का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय चंदिया, आदर्श महाविद्यालय उमरिया एवं शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली की टीमों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य श्री हरलाल अहिरवार ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य श्री अहिरवार ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में सहभागिता करते हुए अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन करने का आह्वान

किया।कार्यक्रम को क्रीड़ाधिकारी उमरिया श्री जितेंद्र कुमार ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ. मंसूर अली ने कहा कि वर्तमान समय में खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए करियर निर्माण का भी महत्वपूर्ण क्षेत्र है। खेलों के माध्यम से विद्यार्थी अपने कौशल का विकास कर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।इस अवसर पर डॉ. जेपीएस चौहान द्वारा अतिथियों एवं प्रतिभागियों का बैज लगाकर स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों से आए खिलाड़ियों ने उत्साह एवं खेल भावना के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. धर्म शर्मा (चंदिया), श्री महेंद्र कनौजिया (आदर्श महाविद्यालय उमरिया), डॉ. सुनील चक्रवर्ती (नोरोजाबाद), अनुभव श्रीवास्तव, अंकुश सोनी, डॉ. ऋतु सेन, डॉ. त्रिभुवन गिरी, डॉ. शिवराज सिंह, श्री बालेन्द्र यादव, मुन्ना सिंह, नर्मदा मिश्रा सहित महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।



नेतृत्व में देश भर के गांव, शहर व कस्बों की तस्वीर बदल रही है। हमारा देश हर दिशा में नये नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री जी का सपना है कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाएँ। उन्होंने युवा, महिला, किसान एवं सभी वर्ग के लोगों से विकसित राष्ट्र के निर्माण में सहयोग की अपेक्षा की है। प्रधानमंत्री जी व्दारा लोगों को सशक्त और आत्म निर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न जन कल्याण कारी योजनाएं संचालित की जा रही है। पात्र व्यक्तियों को इन सभी योजनाओ का लाभ लेना चाहिए । गाम चौपाल में विभिन्न योजनाओ से लाभान्वित हितवाहियों ने योजनाओ से लाभ लेकर बदलाव की कहानी को साझा किया। यात्रा दल ने बरबसपुर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण के संरक्षण का संदेश दिया तथा नागरिकों से अपील की, कि अधिक से अधिक पौधे लगाकर उन्हें संरक्षित करते हुए गौन झड़िया

अभियान में अपनी सहभागिता निभाए । उमरिया मुख्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के उपरांत जन संकल्प यात्रा गाम निगहरी पहुंची जहां उन्होंने लाभार्थी चौपाल लगाकर शासन की योजनाओं से प्राप्त होने वाले लाभ की जानकारी ली। यात्रा दल के सदस्यों ने कहा कि प्रधानमंत्री जी व्दारा विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण जनों के संवांसीण विकास का कार्य किया जा रहा है ताकि अंतिम छोर तक के व्यक्ति को भी मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। इस अवसर पर आसुतोष अगवाल,मिथिलेश पयसी, अमित सिंह, नमता यादव, ज्ञानवती सिंह, राजेंद्र पांडेय,सुमित गौतम, धनुषधारी सिंह, हरीश दिश्वकर्मा, राधे लाल कौल, मनीष सिंह, शंभू लाल खट्टर, शैलेंद्र सिंह, सुजीत भदौरिया, राकेश ददवंशी, कौशल विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित रहे।



खबर संक्षेप



कचरे के ढेर में लावारिस मिला नवजात शिशु, क्षेत्र में मचा हड़कंप

बदर/जमुना। एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र की जमुना कॉलोनी स्थित कोऑपरेटिव बाजार में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब डॉक्टर मजुमदार क्लिनिक के सामने कचरे के ढेर में एक नवजात शिशु लावारिस हालत में पड़ा मिला। बताया जा रहा है कि नवजात मृत अवस्था में था। कचरे के ढेर में नवजात शिशु मिलने की खबर फैलते ही मौके पर लोगो की भीड़ जुट गई। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। स्थानीय लोगो ने घटना की जांच कर नवजात को कचरे में फेंकने वाले व्यक्ति या संबंधित लोगो के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की है।

टूटे स्टापडेम में निकली सरिया बनी मौत का फंदा, 13 साल के शिवम की डूबकर मौत

भालुमाड़ा। केवई नदी के पंप घाट में निर्माणधीन स्टापडेम की कंथित लापरवाही ने 13 वर्षीय बालक की जान ले ली। टूटे स्टापडेम में निकली सरिया, नीचे बना गहरा गड्ढा और मौके पर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं होने के बीच शिवम गुप्ता अपने दोस्तों के साथ नहाने पहुंचा था। सहारे के लिए बांधी गई साड़ी से हाथ छूटते ही वह गहरे पानी में समा गया। मर्ग जांच के बाद भालुमाड़ा पुलिस ने निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदार पलास श्रीवास्तव और इंजीनियर नीरज सेन के खिलाफ गैर इरादतन मौत के मामले में अपराध दर्ज किया है। घटना 28 जून को है। गेट दफाई वाई क्रमांक 13 निवासी शिवम गुप्ता अपने दोस्तों के साथ केवई नदी के पंप घाट पर पिकनिक मनाने गया था। दोपहर करीब 3.30 बजे बच्चे टूटे हुए स्टापडेम के पास नहा रहे थे। स्टापडेम में लोहे की सरिया निकली हुई थी। बच्चों ने उसी में साड़ी बांधकर उसके सहारे नहाना शुरू किया। इसी दौरान शिवम का हाथ साड़ी से छूट गया और वह गहरे पानी में घना गया। पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई।पुलिस की मर्ग जांच में निर्माण स्थल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई। केवई नदी में जल-जल योजना के तहत स्टापडेम और इंटेक वेल का निर्माण कराया जा रहा था। स्टापडेम टूटने के बाद उसके नीचे से रेत निकाले जाने के कारण वहां गहरा गड्ढा बन गया था। इसके बावजूद आसपास बैटकेडिंग, फेंसिंग, चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था नहीं की गई थी। नदी में जाने वाले लोगो और बच्चों को रोकने के लिए भी कोई प्रभावी इंतजाम नहीं था। पुलिस के मुताबिक निर्माण कार्य मेसर्स सेंट्रल इंडिया इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, नागपुर द्वारा कराया जा रहा था। कंपनी ने काम देते ठेके पर पलास श्रीवास्तव को दिया था। निर्माण कार्य की देखरेख इंजीनियर नीरज सेन कर रहे थे। पुलिस ने जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर दोनों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 280/2026 धारा 106(1) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। निर्माणधीन स्थल पर खुले गहरे पानी, टूटे दांते और निकली सरिया के बावजूद सुरक्षा इंतजाम नहीं किए जाने का मामला बालक की मौत के बाद सामने आया। पुलिस की कार्रवाई ने निर्माण एजेंसी और जिम्मेदारों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।



अमरकंटक। सनातन धर्म में पितृपक्ष श्रद्धा, कृतज्ञता और पूर्वजों के स्मरण का विशेष काल माना गया है। यह वह अवसर है, जब लोग अपने दिवंगत माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी और अन्य पूर्वजों का स्मरण कर उनके निमित्त श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, दान-पुण्य तथा सेवा जैसे धार्मिक कर्म करते हैं। पितृपक्ष का महत्व केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मनुष्य को अपनी जुड़ों, पारिवारिक संस्कारों और पूर्वजों से मिले जीवन-मूल्यों से जोड़ने का अवसर भी देता है। हिंदू पंचांग के अनुसार भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन अमावस्या तक की अवधि पितरों के स्मरण और श्राद्ध कर्म के लिए विशेष मानी जाती है। इसे पितृपक्ष, श्राद्धपक्ष अथवा महालय पक्ष कहा जाता है। इस दौरान पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसार श्राद्ध करने की परंपरा है। पितृपक्ष का समापन सर्वपितृ अमावस्या पर होता है। ‘श्राद्ध’ शब्द का संबंध ‘श्रद्धा’ से माना जाता है। श्रद्धा, विश्वास और सम्मान के साथ पितरों के निमित्त किए जाने वाले धार्मिक कर्म को श्राद्ध कहा जाता है। सनातन परंपरा में देवऋण, ऋषिऋण और पितृऋण की अवधारणा मिलती है। पितृऋण पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और अपने दायित्वों के भाव से जुड़ा है। श्राद्ध में पितरों का स्मरण करते हुए अन्न, जल, पिंड तथा निर्धारित सामग्री अर्पित की जाती है। ब्राह्मण भोजन, अन्न-वस्त्र दान, जरूरतमंदों को भोजन और अन्य सेवा कार्य भी इस परंपरा

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्युषण की बिजुरी में मय्य आराधना श्री पार्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धा-मयित के साथ हो रहे धार्मिक अनुष्ठान

बिजुरी। आत्मशुद्धि, संयम और सदाचार का संदेश देने वाला जैन धर्म का पवित्र पर्युषण महापर्व एवं दशलक्षण पर्व बिजुरी में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। श्री पार्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं विशेष पूजन-अर्चना कर धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता कर रहे हैं। दिगंबर जैन परंपरा के इस महत्वपूर्ण पर्व का शुभारंभ 16 सितंबर, माद्रपद शुक्ल पंचमी से हुआ। दस दिवसीय दशलक्षण पर्व के दौरान जैन धर्म के दस धर्मोक्तउत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम सत्य, उत्तम शीघ्र, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य एवं उत्तम बह्मचर्यकृती आराधना की जा रही है। पर्युषण पर्व को आत्मवित्तन एवं आत्मशुद्धि का अवसर माना जाता है। इस दौरान श्रद्धालु अपने भीतर के क्रोध, मान, माया और लोभ जैसी कषायों से मुक्ति का प्रयास जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पर्व के दौरान मंदिर में प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठान, पूजन-विधान, प्रवचन, आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 8 बजे भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न होती है, जिसके बाद श्रद्धालु विभिन्न धार्मिक विधानों में भाग लेते हैं।

क्षमा और मैत्री का संदेश देना क्षमावाणी पर्व- पर्युषण पर्व के समापन अवसर पर क्षमावाणी पर्व का विशेष आध्यात्मिक महत्व रहेगा। यह पर्व परस्पर क्षमा, मैत्री, सद्भाव और आत्मशुद्धि की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। इस अवसर पर श्रद्धालु जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए एक-दूसरे से क्षमा याचना करते हैं तथा मन में किसी के प्रति बैरभाव न रखने का संकल्प लेते हैं। अंततः चतुर्दशी के अवसर पर भगवान की शोभायात्रा नगर भ्रमण के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे। इसके पश्चात क्षमावाणी के माध्यम से पर्युषण पर्व का समापन होगा। धार्मिक आयोजनों में बिजुरी जैन समाज के संतोष जैन, नरेश जैन, सीरम जैन, वैभव जैन, विनय कुमार, संजय कुमार, सचिन कुमार, शैलेश जैन, आर्जव जैन एवं अस्तिरव जैन सहित समाज के अन्य श्रद्धालु सहभागिता कर रहे हैं। चर्चीत समाज की महिलाओं द्वारा भी भक्तिभाव से पूजन एवं धार्मिक विधान किए जा रहे हैं, जिनमें श्रीमती आशा, सुधा, कुसुम, सारिका जैन, डाली, ज्योति, आकांक्षा, अनामिका, संध्या, सुरभि एवं अशिका सहित अन्य महिलाएं शामिल हैं।



कबाड़ की आड़ में रेल संपत्ति चोरी का खुलासा, 450 किलो रेलवे स्क्रैप जब्त

21.400 टन कबाड़ से भरा ट्रक पकड़ा, कबाड़ संचालक फरार

मनेंद्रगढ़ में आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई

अनूपपुर। रेलवे संपत्ति की चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मनेंद्रगढ़ एरिया में बड़ी कार्रवाई करते हुए कबाड़ से लदे एक ट्रक को पकड़ा है। ट्रक की जांच के दौरान उसमें करीब 450 किलोग्राम रेल संपत्ति बरामद हुई। जब्त रेलवे सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 17,100 रुपए बताई गई है। वहीं ट्रक में लदे अन्य कबाड़ की कीमत करीब 6.50 लाख रुपए से अधिक आंकी गई है।

जानकारी के अनुसार 17 सितंबर को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ बिलासपुर सीरव कुमार के निदेशन में निरीक्षक सुनील मिंज एवं मंडल टास्क टीम-2 ने ट्रक क्रमांक सीजी 07 बीएल 2601 को मनेंद्रगढ़ एरिया से पकड़ा। ट्रक को आरपीएफ पोस्ट मनेंद्रगढ़ लाया गया, जहां उसमें लदे कबाड़ को अनलोड कर जांच की गई। जांच के दौरान कबाड़ में करीब 90 आर रेल लाइन, आयरन ब्रेक ब्लॉक



सहित अन्य रेलवे सामग्री मिली। बरामद रेल संपत्ति का वजन करीब 450 किलोग्राम पाया गया। वहीं ट्रक में लदे कुल कबाड़ का वजन करीब 21.400 टन बताया गया है। पूछताछ में ट्रक चालक ने अपना नाम सीताराम द्विवेदी पिता सुरेश प्रसाद द्विवेदी, उम्र 43 वर्ष, निवासी वार्ड नंबर-6 जोरा, थाना ब्योहारी, जिला शहडोल बताया। चालक के अनुसार ट्रक में लदा कबाड़ चौहान ट्रेडर्स से संचालक रियाजुद्दीन उर्फ चुनमुन का था। आरपीएफ टीम ने कबाड़ संचालक की तलाश की,

लेकिन वह मौके से फरार मिला। आरपीएफ ने ट्रक में लदी रेलवे संपत्ति के साथ अन्य कबाड़ को भी जब्त कर लिया। मामले में आरपीएफ पोस्ट मनेंद्रगढ़ में अपराध क्रमांक 39/2026, दिनांक 21 सितंबर को धारा 3(ए) रेलवे प्रॉपर्टी (अनलॉफुल पजेशन) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी ट्रक चालक को 22 सितंबर को विशेष रेलवे न्यायालय, बिलासपुर के समक्ष पेश किया गया। आरपीएफ द्वारा फरार कबाड़ संचालक रियाजुद्दीन उर्फ चुनमुन की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

आरपीएफ के अनुसार संबंधित कबाड़ संचालक के खिलाफ स्थानीय पुलिस एवं रेलवे सुरक्षा बल में पूर्व में भी लोहा चोरी और रेलवे संपत्ति चोरी के कई मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। आरपीएफ की इस कार्रवाई के बाद मनेंद्रगढ़ एवं आसपास के क्षेत्रों में कबाड़ कारोबारियों के बीच हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा रेलवे संपत्ति की चोरी और अवैध रूप से खरीदी-बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने की बात है।

पितृपक्ष: श्रद्धा, तर्पण और पितृ स्मरण का सनातन पर्व

नर्मदा के आरंडी संगम पर श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान की विशेष धार्मिक परंपरा

का हिस्सा हैं। इन कर्मों के केंद्र में पितरों के प्रति श्रद्धा, सेवा और कृतज्ञता का भाव रहता है।

पितृपक्ष में तर्पण का विशेष महत्व माना गया है। ‘तर्पण’ का अर्थ तुल करना अथवा संतुष्ट करना माना जाता है। धार्मिक परंपरा के अनुसार जल, काले तिल और कुश के माध्यम से पितरों का स्मरण करते हुए तर्पण किया जाता है। श्रद्धालु अपने पूर्वजों के नाम और गोत्र का स्मरण कर जल अर्पित करते हैं। नदियों, सरोवरों और तीर्थस्थलों पर तर्पण करने की परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है। श्रद्धालु स्नान के बाद संकल्प लेकर पितरों के निमित्त तर्पण करते हैं। तर्पण की विधि और मंत्र परिवार की परंपरा तथा संबंधित धार्मिक पद्धति के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। पवित्र नगरी अमरकंटक मां नर्मदा के उद्गम स्थल के रूप में देशभर में धार्मिक और आध्यात्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र है। नर्मदा तट पर स्नान, पूजन, तर्पण और दान-पुण्य की परंपरा लंबे समय से श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी हुई है। इसी नर्मदा क्षेत्र में स्थित आरंडी संगम का पितृकर्म की दृष्टि से विशेष महत्व बताया जाता है। पितृपक्ष के दौरान यहां नर्मदा तट पर श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान के लिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। पितरों की आत्मिक शांति और तुष्टि की कामना से किए जाने वाले इन धार्मिक अनुष्ठानों में श्रद्धालु संकल्पपूर्वक अपने पूर्वजों का स्मरण करते हैं। आरंडी संगम का प्राकृतिक और आध्यात्मिक वातावरण पितृकर्म के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को धार्मिक साधना और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा निवेदित करने का अवसर प्रदान करता है। यहां किया जाने वाला पितृकर्म केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि परिवार की परंपराओं, संस्कारों और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता की अभिव्यक्ति भी माना जाता है।

दान-पुण्य और सेवा भी पितृ स्मरण का माध्यम

पितृपक्ष में श्राद्ध और तर्पण के साथ दान-पुण्य की परंपरा भी

महत्वपूर्ण मानी जाती है। अन्न-वस्त्र दान, भोजन कराना, गौसेवा तथा जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्य किए जाते हैं। पितरों की स्मृति में किया गया दान समाज के जरूरतमंद वर्ग के लिए उपयोगी बने, यही इस परंपरा का मानवीय पक्ष है। अन्नदान, जलदान और सेवा के माध्यम से पितृपक्ष व्यक्ति को परोपकार और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश भी देता है। इस तरह पितृकर्म धार्मिक अनुष्ठान से आगे बढ़कर मानवीय संवेदना और सेवा से जुड़ जाता है। कुछ धार्मिक और ज्योतिषीय परंपराओं में श्राद्ध न करने को पितृ असंतोष अथवा पितृदोष की अवधारणा से जोड़ा जाता है। हालांकि पितृदोष को लेकर विभिन्न धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताएं प्रचलित हैं। पितृपक्ष का मूल भाव भय नहीं, बल्कि श्रद्धा, कृतज्ञता और पूर्वजों के प्रति सम्मान है। पूर्वजों के निमित्त अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार धार्मिक कर्म करना तथा उनके आदर्शों को जीवन में उतारना इस परंपरा की व्यापक भावना को सार्थक करता है। पितृपक्ष हमें यह स्मरण कराता है कि वर्तमान पीढ़ी अपने पूर्वजों से प्राप्त संस्कारों, परंपराओं और जीवन-मूल्यों की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। पूर्वजों का सम्मान केवल श्राद्ध और तर्पण तक सीमित नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को आचरण में उतारना भी है। माता-पिता की सेवा, बुजुर्गों का सम्मान, परिवार में सद्भाव, जरूरतमंदों की सहायता और सदाचारपूर्ण जीवन भी पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के व्यापक भाव से जुड़े हैं। पितृपक्ष सनातन धर्म की वह परंपरा है, जिसमें श्रद्धा, स्मरण, कृतज्ञता और पारिवारिक संस्कार एक साथ दिखाई देते हैं। श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान और दान-पुण्य के माध्यम से श्रद्धालु अपने पितरों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनकी आत्मिक शांति की कामना करते हैं। पितृपक्ष का सार यही है कि श्रद्धा से पितरों का स्मरण हो, सेवा से उनके संस्कारों का सम्मान हो और सद्कर्मों से परिवार एवं समाज का कल्याण हो।



जैतहरी नगर परिषद के खिलाफ न्यायालयीन लड़ाई को फिर झटका

हाईकोर्ट ने की अवमानना याचिका खारिज

मूल रिट खारिज होने के बाद अवमानना में भी आगे सुनवाई की गुंगाइश नहीं

अनूपपुर। नगर परिषद जैतहरी को लेकर चल रही राजनीतिक और न्यायालयीन खींचतान के बीच जयप्रकाश अग्रवाल को हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर मुख्यापीठ ने दीवानी अवमानना प्रकरण क्रमांक 5260/2025 को 8 सितंबर को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति विवेक जैन की पीठ ने आदेश में कहा कि जिस मूल रिट याचिका के आदेश की कथित अवमानना को लेकर याचिका दायर की गई थी, वह रिट याचिका 2 जुलाई को खंडपीठ द्वारा खारिज की जा चुकी है। ऐसे में अवमानना याचिका पर आगे विचार के लिए कुछ शेष नहीं रह जाता। इस आदेश के साथ नगर परिषद की कार्यप्रणाली को लेकर जयप्रकाश अग्रवाल की ओर से अपनाए गए न्यायालयीन रास्ते में एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम जुड़ गया है। हालांकि शिकायत अथवा न्यायालय की शरण लेना किसी भी नागरिक का वैधानिक अधिकार है, लेकिन न्यायालयीन परिणाम को लेकर अब जैतहरी की राजनीति में सवाल और बहस तेज हो गई है।

मूल रिट के बाद अवमानना याचिका भी खारिज

नगर परिषद से जुड़े मामले में रिट याचिका क्रमांक 34221/2024 के बाद अवमानना याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट के 8 सितंबर के आदेश में मूल रिट के पहले ही खारिज हो जाने को अवमानना याचिका के निस्तारण का आधार बनाया गया। यानी जिस आदेश के पालन को लेकर अवमानना का सवाल उठाया गया था, उस मूल प्रकरण में ही



याचिकाकर्ता को न्यायालयीन राहत नहीं मिली। न्यायालय के इस आदेश ने मामले को राजनीतिक बहस से निकालकर सीधे न्यायालयीन अभिलेख के दायरे में ला दिया है। अब जैतहरी में चर्चा इस बात की है कि लगातार शिकायत और न्यायालयीन प्रक्रिया के बाद इसका व्यावहारिक राजनीतिक परिणाम क्या रहा।

अध्यक्ष पद की चुनावी हार के बाद बढ़ा विरोध

जैतहरी नगर परिषद अध्यक्ष पद के चुनाव में कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में जयप्रकाश अग्रवाल को उमंग गुप्ता के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद नगर परिषद के कामकाज और परिषद नेतृत्व को लेकर उनका विरोध विभिन्न स्तरों पर सामने आता रहा। राजनीतिक विरोधियों का आरोप है कि चुनावी पराजय के बाद शुरू हुआ विरोध धीरे-धीरे प्रशासनिक शिकायतों और न्यायालयीन लड़ाई तक पहुंचा। हालांकि यह राजनीतिक आरोप है और इसे न्यायालय के आदेश का निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। न्यायालयीन स्थिति फिलहाल संबंधित मामलों में पारित

आदेशों से ही निर्धारित होती है।

दल बदल के बाद राजनीतिक भूमिका पर भी सवाल

जयप्रकाश अग्रवाल के कांग्रेस से भाजपा में आने के बाद उनकी राजनीतिक भूमिका को लेकर भी जैतहरी में बहस होती रही है। विरोधी खेमे का तर्क है कि भाजपा में आने के बाद भी यदि कोई नेता भाजपा से जुड़े निर्वाचित स्थानीय नेतृत्व के खिलाफ लगातार प्रशासनिक और न्यायालयीन मोर्चा खोलता है, तो इससे उसकी राजनीतिक भूमिका को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। विरोधियों की ओर से इसे पार्टी की विचारधारा और संगठनात्मक अनुशासन से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि किसी व्यक्ति का प्रशासन अथवा न्यायालय के समक्ष शिकायत रखना उसका वैधानिक अधिकार है और केवल शिकायत या याचिका दायर किए जाने को दलगत निष्ठा का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जा सकता।

राजनीतिक विरोध बनाम संगठनात्मक असहमति

जैतहरी के राजनीतिक घटनाक्रम में अब बड़ा सवाल यह भी है कि किसी निर्वाचित परिषद के कामकाज का विरोध किस मंच पर और किस तरीके से किया जाए। लोकतंत्र में निर्वाचित संस्थाओं पर सवाल उठाना और उनके कामकाज की शिकायत करना पूरी तरह वैधानिक प्रक्रिया है। वहीं राजनीतिक दलों के भीतर असहमति के समाधान के लिए संगठनात्मक मंच भी मौजूद होते हैं। इसी बिंदु को लेकर जयप्रकाश अग्रवाल के विरोधी सवाल उठा रहे हैं कि यदि परिषद नेतृत्व से राजनीतिक असहमति है तो उसका समाधान संगठनात्मक स्तर पर तलाशा जाना चाहिए या

फिर लगातार प्रशासनिक और न्यायालयीन प्रक्रिया के जरिए दबाव बनाया जाना चाहिए।

चुनावी जनादेश कायम, परिषद का नेतृत्व बरकरार

नगर परिषद अध्यक्ष पद के चुनाव के बाद उमंग गुप्ता के नेतृत्व वाली परिषद अपने निर्वाचित स्वरूप में कायम है। दूसरी ओर जयप्रकाश अग्रवाल की ओर से परिषद के कामकाज को लेकर उठाए गए सवालों और न्यायालयीन प्रक्रिया के बावजूद परिषद नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं हुआ। अब मूल रिट याचिका खारिज होने के बाद उससे जुड़ी अवमानना याचिका के भी खारिज होने से न्यायालयीन मोर्चे पर फिलहाल यह अध्याय बंद होता दिखाई दे रहा है।

अब सवाल आगे की राजनीतिक रणनीति का

जैतहरी की राजनीति में अब चर्चा इस बात पर केंद्रित है कि न्यायालयीन प्रक्रिया के इस परिणाम के बाद जयप्रकाश अग्रवाल की अगली राजनीतिक रणनीति क्या होगी। शिकायतें करना और न्यायालय जाना उनका अधिकार है, लेकिन मूल रिट और उसके बाद अवमानना याचिका के खारिज होने का तथ्य न्यायालयीन अभिलेख का हिस्सा है। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप अपनी जगह हैं, लेकिन हाईकोर्ट के 8 सितंबर के आदेश ने फिलहाल इतना स्पष्ट कर दिया है कि संबंधित अवमानना प्रकरण में आगे विचार का आधार नहीं बचा था, क्योंकि मूल रिट याचिका पहले ही खारिज हो चुकी थी। अब जैतहरी की राजनीति में निगाह इस बात पर है कि आगे सवाल उठा रहे हैं कि यदि परिषद नेतृत्व से राजनीतिक असहमति है तो उसका समाधान संगठनात्मक मंच पर तलाशा जाता है।



मालगाड़ी से प्लेटफार्म पर बरसा कोयला, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

कोतमा स्टेशन पर टला बड़ा हादसा, कई यात्री मामूली घायल, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

कोतमा। कोतमा रेलवे स्टेशन पर मंगलवार दोपहर करीब एक बजे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। कोयले से लदी मालगाड़ी के एक डिब्बे से अचानक भारी मात्रा में कोयला प्लेटफार्म पर आ गिरा। उस समय ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और कुछ लोग कोयले की चपेट में आ गए। घटना में कई यात्रियों के हाथ, पैर और सिर में मामूली चोटें आईं, हालांकि किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। मालगाड़ी स्टेशन के पास से गुजर रही थी, तभी उसके एक डिब्बे से अचानक कोयला नीचे गिरने लगा। देखते ही देखते प्लेटफार्म पर कोयले का ढेर लग गया। अचानक हुए घटनाक्रम से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और कुछ दूर के लिए स्टेशन परिसर में हड़कंप की स्थिति रही। चलती मालगाड़ी से प्लेटफार्म पर कोयला गिरने की घटना ने मालगाड़ी के डिब्बों की सुरक्षा और रखरखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रेलवे को घटना की जांच कर यह स्पष्ट करना चाहिए कि डिब्बे से कोयला किस वजह से गिरा। साथ ही मालगाड़ियों के डिब्बों की सुरक्षा जांच और कोयला ढुलाई के दौरान निर्धारित मानकों के पालन की समीक्षा जरूरी है, ताकि भविष्य में यात्रियों की सुरक्षा खतरे में न पड़े।